प्रदर्शन

बीते दस दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर भौरगढ़ के ग्रामीण

सार्वजनिक जरुरतों के लिए लोकतांत्रिक विरोध

नवभारत ,खैरलांजी । तहसिल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत भौरगढ़ की पहचान सालों से व्यापार में प्रगति करने और अभूतपूर्व समृद्धि के लिए जानी जाती है। और इसका मुख्य कारण है कि यंहा व्यवसाय संचालित करने वाले व्यापारी हर वह सामग्री जो क्षेत्र के लोगो की जरुरत है उसे आसानी से बड़े शहरों की कीमत में यंहा पर दे देते है। जिससे भौरगढ़ ग्राम में क्षेत्रीयजन अपनी हर छोटी और बड़ी चीजों की खरीदारी करते आ रहे है। यह गांव पूर्व से ही व्यवसाय में चहल-पहल के कारण किसी आधुनिक शहर से कम नहीं है। लेकिन ग्राम के विकास में जो मूलभूत आवश्यकता होती है उन विकास कार्यो से यह गांव अब तक वंचित है। और यह हम नहीं कह रहे है यह वंहा के हॉट बाजार में एक सार्वजनिक शौचालय तक का नही होना इस बात के प्रमाण है।

इन्हीं सामाजिक जरुरतों के लिए भौरगढ़ के ग्रामीण और सामाजिक कार्यकर्ता बीते दस दिनों से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर है।

भौरगढ़ के ग्रामीण तीन प्रमुख मांगो के लिए अनवरत दिनांक 19/02/2026 से बाजार चौक स्थित सभा मंच के सामने

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे है। जिनकी सुध लेने शासन-प्रशासन की तरफ से अब तक कोई नहीं आने की जानकारी धरने पर बैठे ग्रामीणो ने बताई। और अगर यही आलम रहा तो आक्रोशित ग्रामीणो ने बताया कि वह जल्द ही अनिश्चितकालीन हड़ताल को भूख हड़ताल में तब्दील कर देंगे।

हड़ताल कर रहे ग्रामीणो की प्रमुख मांगे है कि ग्राम पंचायत भौरगढ़ के सरपंच देवेन्द्र बारेवार द्वारा सामुदायिक भवन निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि खसरा क्रमांक 252/1, 252/2 मनोरंजन भवन के पास पर्याप्त भूमि होने के बावजूद भी वह उसे बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में निर्माण करवाना चाहते है। जो कि न्यायसंगत नहीं है और उनका यह कार्य जनहित में नहीं है। वह सभी हड़ताल कर रहे लोगों के अलावा अन्य ग्रामवासियों ने कई बार सरपंच को पंचायत सभा के दौरान समझाने की कोशिश भी की है। लेकिन सरपंच ने हमेशा बातों को टाल दिया। वह हमेशा कहते है कि कांजीहाउस एवं मनोरंजन भवन की शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 252 पर स्टे लगा हुआ है कहकर गुमराह करने का कार्य करते हुए सामुदायिक भवन का निर्माण नही कर रहे है। यह कि शासन प्रशासन द्वारा प्रस्तावित भूमि पर स्थगन आदेश जारी करके ग्रामवासियों को गुमराह में रखना एवं जनहित के कार्य को बाधित करके रखना न्यायसंगत नहीं है। इस संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खैरलांजी को जिला कलेक्टर बालाघाट,जिला सीईओ,एसडीएम वारासिवनी के नाम ज्ञापन प्रेषित किया गया है। लेकिन अब तक किसी प्रकार की कार्यवाही नही होने से सरपंच और उनके संबंधित सहयोगियों के हौसले बुलंद है और उनका मनोबल बढ़ रहा है। भूमि खसरा क्रमांक 252 से अतिक्रमण हटाया जाए, ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तावित भूमि खसरा क्रमांक 252/1,252/2 के अंश भाग में सामुदायिक भवन एवं सार्वजनिक शौचालय का निर्माण किया जाए। शासकीय आबादी भूमि खसरा क्रमांक 252 पर स्थगन आदेश करने वाले संबंधित अधिकारी के विरुद्ध जांच कर निलंबित किया जाए। इन्हीं मांग को लेकर भौरगढ़ के ग्रामीण आंदोलनरत है।

विकास से उपेक्षित होने का आरोप

ग्राम पंचायत भौरगढ़ में अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे ग्रामीणों में सुरेंद्र बडीचार्य,विक्रांत भंडारकर,थानेन्द्र बारेवार,सुशील उके,चंद्रप्रकाश डोहरे,रंजीत माहुरकर,सौरभ बारेवार,कुनाल उके,रविन्द्र शेण्डे,सुखदेव वडीचार्य,उदय ठाकरे,अंकुश चौरे,देवेंद्र उजवने,नैतराम बागड़े,मिर्जा मोईन बेग, सहित दो सैकड़ा से अधिक ग्रामीणों व ग्रामीण पंचो ने अपने हस्ताक्षरयुक्त ज्ञापन में अपनी मांगो को रखा है। ग्रामीणो ने बताया कि उनके ग्राम में विभिन्न जातियों की बड़ी आबादी निवास करती है।बावजूद इसके सामाजिक गतिविधियों के लिए अब तक कोई भवन उनके पास उपलब्ध नही है। जिससे सामाजिक व सामूहिक कार्यक्रमों के आयोजन में बड़ी कठिनाई होती है। ग्रामीणो का कहना है कि सामुदायिक भवन निर्माण की समस्या और अन्य मांगो के लिए कई बार क्षेत्रीय विधायक गौरव सिंह पारधी के समक्ष भी रखी जा चुकी है लेकिन अब तक कोई ठोस पहल उनके द्वारा भी नहीं की गई है। ग्रामीणो ने कहा कि इससे यह बात समझ आती है कि भौरगढ़ के विकास की उपेक्षा की जा रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने बिसेन परिवार से की मुलाकात, श्रद्धांजलि दी

नवभारत, बालाघाट। शुक्रवार 27 फरवरी को मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह बालाघाट प्रवास के दौरान बिसेन परिवार के निवास पहुंचे। उन्होंने डॉ. के.आर. बिसेन, स्वर्गीय भोजराज बिसेन तथा स्वर्गीय वेंकटराव बिसेन को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

पूर्व मुख्यमंत्री ने अधिवक्ता अजय बिसेन एवं वरिष्ठ पत्रकार ओमेंद्र बिसेन के निज निवास पर पहुंचकर परिवारजनों से आत्मीय मुलाकात की। पारिवारिक वातावरण में आयोजित इस श्रद्धांजलि भेंट में उन्होंने दिवंगतजनों के व्यक्तित्व और समाज के प्रति उनके योगदान को याद करते हुए अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं।

दिग्विजय सिंह ने कहा कि बिसेन परिवार का सामाजिक, बौद्धिक एवं जनसेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। ऐसे व्यक्तित्वों की कमी समाज को लंबे समय तक महसूस होती है। उन्होंने परिवार के सदस्यों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में वे उनके साथ खड़े हैं।

इस दौरान परिवार के सभी सदस्य उपस्थित रहे। मुलाकात का माहौल पूरी तरह पारिवारिक और संवेदनात्मक रहा, जहां पूर्व मुख्यमंत्री ने सभी से व्यक्तिगत रूप से चर्चा कर हालचाल जाना।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विशेष आयोजन

नवभारत, बालाघाट। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सान्दीपनि विद्यालय बालाघाट में दिनांक 1 मार्च 2026, रविवार को प्रात: 10:00 बजे से 'विज्ञान दिवस-प्रतिभा सम्मान समारोह' का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत विज्ञान प्रदर्शनी, साइंस सर्किल जेसीएटी एवं एससीएटी 2025-26 परीक्षा के पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया जाएगा। परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले टॉप 10 रैंक प्राप्त विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। साथ ही संस्था प्रमुखों एवं शाला प्रभारियों का सम्मान समारोह भी आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आईएएस श्री अभिषेक सराफ , मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत बालाघाट उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री अश्विनी कुमार उपाध्याय , जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा की जाएगी। विशेष आकर्षण के रूप में मोशन इंस्टिट्यूट कोटा के 24 वर्षों के अनुभवी फैकल्टी एवं हेड श्री जयंत चित्तौड़ा द्वारा विद्यार्थियों के लिए प्रेरणादायक उद्बोधन दिया जाएगा। साइंस सर्किल द्वारा जिले के समस्त विद्यार्थी, शिक्षकगण एवं अभिभावकों से कार्यक्रम में सादर उपस्थिति का आग्रह किया गया है।

रागी का डोसा, मिलेट के व्यंजन, देशी शहद एवं जैविक उत्पाद आकर्षण का केंद्र बने

बालाघाट। होली पर्व के अवसर पर मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत बालाघाट में दो दिवसीय 'आजीविका होली मेला-2026' का शुभारंभ हुआ। 28 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक आयोजित यह मेला जिला प्रशासन, जिला पंचायत एवं आजीविका मिशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है।

परसवाड़ा तहसील के वन ग्राम वरूडगोटा के विद्यालय का कायाकल्प, बच्चों में जगी पढ़ाई की नई उम्मीद

नवभारत, परसवाड़ा। परसवाड़ा तहसील अंतर्गत वन ग्राम वरूडगोटा के विद्यालय के कायाकल्प के बाद अब ग्रामीण अपने बच्चों को इस विद्यालय में पढ़ाने के विषय में सोचने लगे हैं। वहीं गांव में रहने वाले छात्र-छात्राओं को भी स्कूल जाकर पढ़ाई करने के लिए उम्मीद की एक नई किरण दिखाई देने लगी है।

जानकारी के अनुसार, परसवाड़ा अंतर्गत ग्राम चीनी से लगभग 10 किलोमीटर की दूरी पर वनांचल क्षेत्र में स्थित वन ग्राम वरूडगोटा की प्राथमिक शाला का पुलिस विभाग द्वारा कायाकल्प किया गया है। परसवाड़ा पुलिस की इस पहल से विद्यालय अब बच्चों के पढ़ने योग्य बन चुका है।

पुलिस विभाग ने लगभग 2016 से बंद पड़े विद्यालय की मरम्मत, रंग-रोगन कर उसे सुंदर रूप दिया है। साथ ही गर्मी में बच्चों को परेशानी न हो, इसके लिए विद्यालय में सीलिंग फैन भी

लगाए गए हैं। इससे गांव के बच्चों में पढ़ाई के प्रति रुचि बढ़ने लगी है।

ग्रामीण महिलाओं ने बताया कि बीते 10 वर्षों से विद्यालय बंद होने के कारण बच्चों को पढ़ाई के लिए रिश्तेदारों के घर रहना पड़ता था। विद्यालय भवन की मरम्मत होने से बच्चों में नया उत्साह देखने को मिल रहा है और अब वे गांव में ही पढ़ाई कर सकेंगे।

ग्राम वरूडगोटा की एक नन्ही बालिका संध्या ने बताया कि वह विद्यालय में पढ़ने के लिए जाएगी। अभी वह पढ़ाई नहीं कर रही है, लेकिन विद्यालय पूरी तरह तैयार होने के बाद स्कूल जाएगी। उसके गांव के अन्य बच्चे भी इसी विद्यालय में पढ़ने की इच्छा जता रहे हैं, जबकि वर्तमान में कई बच्चे दूसरे गांव में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं। संध्या ने बताया कि उसे स्कूल खुलने की जानकारी उसकी मां से मिली।

जिला पुलिस प्रशासन की यह पहल, जिसके तहत लगभग 300 गांवों के स्कूलों का कायाकल्प करने वाला 'विद्यांजलि अभियान' चलाया जा रहा है, आदिवासी वनांचल में बसे गांवों के लिए उम्मीद की नई किरण बनकर सामने आया है। ग्रामीण पालकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के इस विद्यांजलि अभियान के तहत प्राथमिक शाला वरूडगोटा में शिक्षकों की व्यवस्था भी की जाए, ताकि यहां के बच्चे नियमित रूप से पढ़-लिख सकें।

बालाघाट के डॉ . दीपक कुंभरे का ऑर्थोपेडिक सर्जन पीजी में चयन

ग्रामीण सेवा के अनुभव ने तय किया कैरियर का लक्ष्य

नवभारत, परसवाड़ा। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले में कार्यरत मेडिकल ऑफिसर डॉ. दीपक कुंभरे का चयन ऑर्थोपेडिक्स पोस्ट-ग्रेजुएशन (पीजी) के लिए गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल में हुआ है। सीमित संसाधनों और लगातार सरकारी ड्यूटी के बीच की गई तैयारी ने उनकी इस उपलब्धि को खास बना दिया है।

डॉ. कुंभरे की स्कूली शिक्षा जवाहर नवोदय विद्यालय, डोंगरगढ़ (छत्तीसगढ़) से हुई। इसके बाद उन्होंने नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया और वहीं से सोनोग्राफी सर्टिफिकेट कोर्स पूरा कर सोनोग्राफी परीक्षा भी उत्तीर्ण की।

उन्होंने हृश्वश्वञ्ज-क्क्त 2025 परीक्षा उत्तीर्ण कर ऑर्थोपेडिक्स में पोस्ट-ग्रेजुएशन हेतु गांधी मेडिकल कॉलेज भोपाल में प्रवेश

प्राप्त किया।

एमबीबीएस के बाद उन्होंने बालाघाट जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा दी। उन्होंने पीएचसी उकवा, सीएचसी परसवाड़ा तथा अन्य आदिवासी क्षेत्रों में कार्य करते हुए उकवा, परसवाड़ा, बैहर और बिरसा क्षेत्र के ग्रामीण एवं आदिवासी मरीजों का उपचार किया। यहां उन्हें सड़क दुर्घटना व ट्रॉमा के हड्डी संबंधी मरीज बड़ी संख्या में मिले, जिससे ऑर्थोपेडिक्स के प्रति उनकी रुचि और मजबूत हुई।

सरकारी नौकरी और लगातार ड्यूटी के बावजूद उन्होंने नियमित अध्ययन जारी रखा और आखिरकार ऑर्थोपेडिक्स पीजी में चयन प्राप्त किया। डॉ. कुंभरे बताते हैं — 'ग्रामीण क्षेत्रों में ट्रॉमा और फ्रैक्चर के मरीजों की संख्या बहुत अधिक है, वहीं विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी भी महसूस होती है। इसी ने मुझे ऑर्थोपेडिक्स चुनने की प्रेरणा दी।'

उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, बड़े भाई-बहन और पत्नी को दिया, जिन्होंने हर कठिन समय में उनका साथ दिया और लगातार प्रेरित करते रहे। उन्होंने कहा कि पीजी पूरी करने के बाद वे अपने जिले में सेवा देना चाहते हैं, जिससे आगामी समय में बालाघाट जिले में ऑर्थोपेडिक सर्जन की कमी काफी हद तक पूरी हो सकेगी। उनकी इस सफलता से बालाघाट जिले के मेडिकल विद्यार्थियों और युवाओं को प्रेरणा मिली है कि सेवा के साथ भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। परिवार और सहकर्मियों ने इसे जिले के लिए गौरव की बात बताया है और शुभकामनाएं दी हैं।

रसायन शास्त्र विभाग द्वारा एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित

नवभारत, परसवाड़ा । हाउ टू सर्च ड्राफ्ट एन्ड फाइल पेटेंट विषय पर आयोजित किया गया यह वर्कशॉप मध्य प्रदेश काउंसिल ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी भोपाल द्वारा प्रायोजित था।कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एल. एल. घोरमारे आईक्यूएसी इंचार्ज डॉ अरुण कुमार वैद्य तथा कार्यशाला में उपस्थित अतिथियों द्वारा किया गया.कार्यशाला समन्वयक डॉ नवनीत शर्मा विभाग अध्यक्ष रसायन शास्त्र विभाग ने कार्यक्रम की रूप रेखा पर प्रकश डाला वही मुख्य वक्ता के रूप मे उपस्थित डॉ. अरुण कुमार कश्यप विभाग अध्यक्ष बायोटेक्नोलॉजी विभाग ई. राघवेंद्र राव गवर्नमेंट पीजी कॉलेज बिलासपुर छत्तीसगढ़ ने मुख्य विषय पर अपने विचार प्रस्तुत किये तथा विस्तार में पेटेंट खोजना तथा उसको रजिस्टर्ड करने के बारे में बताया इसी कड़ी विशिष्ट वक्ता के रूप में उपस्थित डॉक्टर दुर्गेश अगासे सहायक प्राध्यापक प्राणी शास्त्र विभाग प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस शासकीय जे एस टी पीजी कॉलेज बालाघाट मध्य प्रदेश के द्वारा विषय में किए गए पेटेंट तथा उनकी समाज में उपयोगिता के बारे में बताया. इसके पश्चात वक्ताओं द्वारा दिए गए व्याख्यान में छात्र-छात्राओं का फीडबैक लिया गया तथा प्रश्नो एवं जिज्ञासाओं का समाधान वक्ताओं द्वारा किया गया.कार्यक्रम का मंच संचालन प्राणी शास्त्र विभाग अध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार कुशवाहा द्वारा किया गया।

महिला को झांसा देकर सोने के गहने उतरवाने वाले ईरानी गैंग का खुलासा, 2 गिरफ्तार

72 घंटे में वारासिवनी पुलिस की बड़ी कार्रवाई, कार व गहनों सहित 4 .10 लाख का माल बरामद

नवभारत ,वारासिवनी। महिला को झांसा देकर सोने के गहने उतरवाकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय ईरानी गैंग का वारासिवनी पुलिस ने 72 घंटे में खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त आई-20 कार, सोने के गहने सहित लगभग 4.10 लाख रुपये का मशरूका जब्त किया है।

पुलिस टीम ने बालाघाट से नागपुर तक करीब 150 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की जांच कर लगभग 200 किमी तक आरोपियों का पीछा किया। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उन्हें पकड़ा गया।

आरोपियों के खिलाफ पूर्व में लूट, डकैती व चोरी के मामले दर्ज होना भी सामने आया है।

पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, एसडीओपी वारासिवनी व थाना प्रभारी के नेतृत्व में गठित टीम ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया।

फरियादी श्रीमती विद्या ठाकरे निवासी वार्ड क्रमांक 15 वारासिवनी के साथ 23 फरवरी की रात लगभग 8 बजे एक अज्ञात महिला व पुरुष ने बातचीत में उलझाकर झांसा दिया और उनके सोने के गहने उतरवाकर सफेद रंग की कार से फरार हो गए थे। रिपोर्ट पर थाना वारासिवनी में धारा 318(4) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने नेहरू चौक सहित शहर व हाईवे के कैमरों की फुटेज खंगाली। लगातार ट्रैकिंग करते हुए बालाघाट, कटंगी होते हुए नागपुर तक आरोपियों की लोकेशन चिन्हित की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस ने ईरानी गैंग के एक पुरुष व एक महिला आरोपी को हिरासत में लिया है। एक आरोपी की पहचान नादिर जैदी (55) निवासी व जैनब जैदी 43 वर्ष को हुडको कॉलोनी जरीपटका नागपुर के रूप में हुई है। अन्य आरोपी से पूछताछ जारी है।

शिक्षा को बेहतर बनाने की दिशा में वैनगंगा माइनिंग वर्क्स का बेहतर कदम

शासकीय विघालय भौरगढ़ के विद्यार्थियों को वितरित किए गए बेंच-टेबल

नवभारत,खैरलाँजी : जनपद पंचायत खैरलांजी अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत भौरगढ़ में शासकीय विघालय भौरगढ़ में विद्यार्थियों की शैक्षणिक सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार, 27 फरवरी को तीन सीटर बेंच 30एवं 30 टेबल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह सामग्री मेसर्स वैनगंगा माइनिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड, भोपाल द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत प्रदान की गई। विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को लंबे समय से बैठने की समुचित व्यवस्था की आवश्यकता थी। इसे ध्यान में रखते हुए कंपनी द्वारा यह पहल की गई, जिससे अब छात्र छात्राओं को पढ़ाई के दौरान बेहतर सुविधा मिल सकेगी। बेंच

टेबल मिलने से कक्षा-कक्ष अधिक सुव्यवस्थित होगा और बच्चों का पढ़ाई में मन भी अधिक लगेगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार यह कार्य जिला कलेक्टर बालाघाट, कटंगी विधायक श्री गौरव पारधी के निर्देशन एवं प्रेरणा से संपन्न हुआ। जनप्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए यह प्रयास किया गया, ताकि ग्रामीण अंचल के बच्चों को भी बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में उत्साह का माहौल रहा। बेंच-टेबल पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे। विद्यालय परिवार ने इस सहयोग के लिए कंपनी प्रबंधन का आभार व्यक्त किया और कहा कि इससे बच्चों की पढ़ाई में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक शिक्षिका, पूरनलाल लक्षकार प्रभारी अधिकारी माइनिंग कारपोरेशन सहित वैनगंगा माइनिंग वर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।ग्रामीणों ने कंपनी के इस सामाजिक योगदान की प्रशंसा करते हुए कहा कि निजी संस्थाओं द्वारा शिक्षा क्षेत्र में किया गया ऐसा सहयोग भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

शांति, सद्भाव और भाईचारे के साथ मनाएं त्यौहार

नवभारत,जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह और पुलिस अधीक्षक संपत उपाध्याय की मौजूदगी में शांति समिति की बैठक में नागरिकों से सभी त्यौहारों को शांति और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई। सदस्यों ने सुरक्षा, साफ-सफाई, पेयजल और बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने, होली में हानिकारक रंगों व फूहड़ प्रतिमाओं पर रोक लगाने, डीजे पर प्रतिबंध और रमजान के मीना बाजार में

महिला पुलिस तैनात करने की मांग की। कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने कहा कि त्यौहारों के दौरान संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात होंगे और शांति भंग करने वाले आसामाजिक तत्वों पर सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। नागरिकों से ऐसी गतिविधियों की सूचना देने की अपील भी की गई। बैठक में नगर निगम आयुक्त रामप्रकाश अहिरवार, अपर कलेक्टर नाथूराम गोंड, और समिति सदस्य उपस्थित थे।

2 शातिर चोर गिरफ्तार, 13 लाख के जेवर जब्त, क्राइम ब्रांच-रांझी पुलिस की कार्रवाई

नवभारत,जबलपुर । क्राइम ब्रांच एवं रांझी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है जिनके कब्जे से 13 लाख रूपए के जेवरात जब्त किए गए है। पुलिस कंट्रोल रूम में शुक्रवार को नगर पुलिस अधीक्षक रांझी सतीष कुमार साहू ने खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 10 जनवरी 26 को मार्टिन खाखा 72 वर्ष निवासी प्लाट नं. 12, शोभापुर ग्रीन कालोनी रांझी ने रिपोर्ट दर्ज करायी थी कि वह क्वालिटी कंट्रोल विभाग से रिटायर होकर घर पर ही रहता है। उसके 3 लड़के है दो लड़के बाहर रहते है सबसे छोटा लड़का

अविनाश खाखा उसके साथ में ही रहता है वह अपनी पत्नि के साथ 18 दिसम्बर 2025 को अपने पैतृक गांव जसपुर छत्तीसगढ़ चला गया था। उसके बाद उसका छोटा लड़का 3 जनवरी 26 को घर में ताला लगाकर छत्तीसगढ स्थित पैतृक गांव आ गया था। इसी दौरान चोरों ने धावा बोलते हुए सोने चांदी के जेवरात पार कर दिए थे। थाना प्रभारी रांझी उमेश गोल्हानी के नेतृत्व

में क्राईम ब्रांच एवं थाने की टीम गठित हुई। सीसीटीव्ही कैमरे खंगाले गए। जिसके बाद सुरेश चौधरी उर्फ सुरू निवासी बाबा टोला ठक्कर ग्राम हनुमानताल एवं जय चौधरी निवासी सिंधी केम्प बड़ी मदार टेकरी को दबोचा गया जिन्होंने चोरी करना स्वीकार किया।

आठ तोला गोल्ड, आधा किलो चांदी जब्त

8 तोल वजनी सोने के जेवर एवं आधा किलो वजनी चांदी कुल कीमती लगभग 13 लाख रूपये के जप्त किए गए। पकडे गये आरोपी शातिर अपराधी प्रवृत्ति के है सुरेश के खिलाफ पूर्व से 16 अपराध मारपीट, नकबजनी, 13 जुआ एक्ट, 25 आर्म्स एक्ट एवं जय चौधरी के खिलाफ 4 अपराध दर्ज है।